श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज दिल्ली विश्वद्यालय

नाम – **अक्षिता तिवारी**

अनुक्रमांक - 909

कार्य – किसी समाचार पत्र एवम् किसी एक पत्रिका का तुलनात्मकअध्ययन

विषय - मुद्रित माध्यमों की पृष्ठ सज्जा

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

विदिशा

अब चमकिये प्यार से

आशंका-अलर्ट के बीच फैसला आज

वीवीपैट पर्चियों की पहले गिनती नहीं होगी : आयोग

पेरिस में वायुसेना दफ्तर में घुसपैठ की कोशिश

गोपाल भोग के मालिक को बचाने में आढ़ती की हत्या

दुश्मनों पर नजर रखेगा रिसैट-2बी

मुनकाद की फॉर्च्यूनर ने जीजा-साले को कुचला

भाजपा और कांग्रेस मुख्यालय में भी तैयार किए गए मंच

संपति के लिए बेटे ने बाप के 50 टुकड़े किए

अखबार/समाचारपत्र

समाचार पत्र या **अख़बार**, समाचारो पर आधारित एक प्रकाशन है, जिसमें मुख्यत: सामयिक घटनायें, राजनीति, खेल-कूद, व्यक्तित्व, विज्ञापन इत्यादि जानकारियां सस्ते कागज पर छपी होती है। समाचार पत्र संचार के साधनो में

महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। समाचारपत्र प्रायः दैनिक होते हैं लेकिन कुछ समाचार पत्र साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक एवं छमाही भी होतें हैं। अधिकतर समाचारपत्र स्थानीय भाषाओं में और स्थानीय विषयों पर केन्द्रित होते हैं।

पत्रिका

पत्रिका वह नियतकालिक कृति है जो मुख्यतः साप्ताहिक होती है। पत्रिका में विचारतत्व प्रधान होता है। पत्रिकाओं का प्रकाशन एक दिवसीय से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, छमाही, वार्षिक व अनियतकालीन भी होता है। पत्रिकाएँ आम तौर पर विज्ञापन द्वारा, खरीद मूल्य द्वारा, प्रीपेड सदस्यता या तीनों के संयोजन द्वारा वित्तपोषित होते हैं।

हिन्दुस्तान

डिजाइन

हिंदुस्तान दैनिक की डिजाइन की तुलना :

डिजाइन के अंतर्गत पहले आकार आता है। समाचार पत्र का आकर बड़ा एवम् व्यवस्थित है ।

पेजो की संख्या -: जब कोई समाचार पत्र डिजाइन होता है तो उसी वक़्त उसके आकार एवम् साथ साथ पेजों की संख्या का निर्धारण हो जाता है । अमूमन सारे समाचारपत्र 14 से 20 और अगरअधिकतम की बात करे तो 28 पृष्ठों के आते है ।किंतु हिंदुस्तान समाचार पत्र आमतौर पर 15 से 20 पेजों का छपताहै लेकिन इसका रविवारीय का अंक24 से 25 पेजों का ही प्रकाशित होता है ।

पेजों की क्वालिटी -: पत्रिकाओं की तुलना में देखा जाए तो समाचारपत्र के पृष्ठ काफी कमजोर होते है । कुछ समाचार पत्र कि पेजों की क्वालिटी बहुत हद तक अच्छी होती है किंतु अगरपत्रिकाओं से तुलना करें तो हिंदुस्तान अख़बार कि पृष्ठ बहुत ही निम्न स्तर की दिखाई देती है ।

मेकअप

हिन्दुस्तान अखबार का मेकअप करते वक़्त इन बातों पर विशेष ध्यान दिया जाता है कि समाचार रोचक, नवीन एवम् तथ्यपूर्ण है या नहीं । नवीनता सबसे बड़ी कड़ी होती है ,क्यूंकि समाचार पत्र लोगो तक वर्तमान /नवीन घटनाओं की सूचना देता है इसीलिए इसके मेकअप करने के लिए संपादक या उपसंपादक के पास ज्यादा समय नहीं होता । 24 घंटे के अंदर डिजाइनपूरी करके मेकअप एवम् लेआउट का ध्यान देते हुए समाचार पत्र प्रकाशित करना होता है।

लेआउट

हिन्दुस्तान अखबार लेआउट के मामले में वैसे तो अन्य समाचारपत्र जैसे जनसत्ता , प्रभात खबर आदि अखबारों से अधिक प्रशनशनिए है किंतु पत्रिकाएं इसकी चमक थोड़ी फीकी कर जाती है इसके पीछे का कारण है , इसकी पृष्ठ सज्जा । हिंदुस्तान अख़बार के पृष्ठ सज्जा में रंगो का, फोटो, कार्टून, ग्राफ आदि का अच्छा चित्रण देखने को मिलता है पर सूचनाओं एवम् विज्ञापनों को प्रमुखता देना भी उतनाही आवश्यक है जितना कि पृष्ठ सज्जा ।हिन्दुस्तान समाचारपत्रकी सजावट पत्रिकाओं में आउटलुक पत्रिका से लोहा लेने के दौड़ में अभी काफी पीछे है ।

प्रकाशन अवधि

समाचारपत्र की एक पहचान यह भी है कि ये दैनिक प्रकाशित होते है । अगर समाचारपत्र दैनिक /हर रोज नहीं छपते तो ये सूचना समाजसूचनाएं पाने के लिए परेशान हो जातेऔर पत्रिकाओं कीतरह पाठकवर्ग को लंबा इंतजार करना पड़ता जिसे सूचना का प्रवाह रुक जाता है यह सूचना समाजअस्त व्यस्त हो जाता ।

पाठकवर्ग

हिन्दुस्तान दैनिक समाचारपत्र के पाठक में कोई कमी नहीं है ।हिन्दुस्तान अखबार की विक्री भी अधिक होती है और इसके पाठक भी अधिक है । समाचार पत्रों के पाठक वर्ग में अमूमन वहीं लोग होते है जिन्हे तत्काल , वर्तमान घटनाओं की जानकारी लेनी होती है, कुछ लोग अपने शौक से पढ़ते है ,कुछ व्यापारी व्यापार के इरादे से एवम् कुछ लोग खेल एवम् मनोरंजन की दृष्टि से ।

भाषा

हिन्दुस्तान समाचार पत्र के साथ साथ अन्य सभी समाचारपत्रों की भाषा सूचनात्मक होती है । सूचना देने के आधार पर ही भाषा का भी चयन किया जाता है ।कहीं भी किसी प्रकार केअपशब्दों एवम् अर्धमानकशब्दोंका इस्तेमाल बहुत ही काम देखनेको मिलता है ।

विषय वस्तु

समाचारपत्रों विषय वस्तु तत्काल घटीघटनाओं एवम् नवीन सूचनाओं पर आधारित होती है । देश विदेश के कोने कोने से अलगअलग भाग के घटनाओं को खबर का रूप देकर उसे प्रकाशित करना एवम् जनमानस को सूचित करना ही समाचारपत्र का कार्य है, जिसमें आस पड़ोस के स्थानों, राज्यो देश ,दुनिया खेल, वाणिज्य, चिकित्सा , मनोरंजन आदि की तत्काल घटनाओं को जगह दी जाती है ।

इण्डिया टुडे पत्रिका

डिजाइन

इण्डिया टुडे पत्रिका का आकार बिल्कुल एक किताब भांति होता है । समाचारपत्रों की तुलना में पत्रिका छोटा एवम् मोटा होता है ।

पेजों की संख्या -:

क्यूंकि पत्रिका छोटी एवम् ज्यादा जानकारी समाहित किए होती है ,इस लिए इसके पृष्ठोकी संख्या समाचारपत्रों से अधिक होती है ।¡ इण्डिया टुडे पत्रिका जिसे मैंने परियोजना कार्य के लिए चुना है उसकी पेजों की संख्या 55 है ।एक तरह से कहा जाए तो हिंदुस्तान अख़बार के पेजों से दुगुना पेज इण्डिया टुडे पत्रिका एक अंदर प्रकाशित होता है।

पेजों की गुणवत्ता/क्वालिटी-: पत्रिकाएं अपने पृष्ठ एवम् पेजों की सजावट के कारण भी जानी जाती है । पत्रिकाओं का पृष्ठ बहुत ही मजबूत एवम् चिकना होता है ।

मेक अप

पत्रिका का मेकअप एक निश्चित समयावधि में किया जाता है । मेकअप करते वक़्त नवीनता को ज्यादा महत्व ना देते हुए पत्रिकाओं में अधिक से अधिकजानकारी एवम्अलग अलग विषयो पर व्यापक जानकारी देने पर जोर दिया जाता है ।

इण्डिया टुडे पत्रिका की बात करे तो जैसा की हम नीचे चित्र में देख सकते है कि नवीनता केवल कवर पेज पर दिखाए दे था है किंतु इसके अंदर ऐसी जानकारी अधिक हैजो एक सप्ताह पहले बीत चुका है ।क्यूंकि समाचार पत्रों की भांति पत्रिकाएं हर रोज नहीं निकलती ।

लेआउट

लेआउट , पृष्ठ सज्जा एवम्सूचनाओं को सुंदर एवम् आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने की कला मेरे हिसाब से समाचार पत्रों को पत्रिकाओं से सीखनी चाहिए । पत्रिकाएं जितनी व्यापक चीजों को समेटे होती है ,इतनी ही खूबसूरत भी होती है,रंग बिरंगे फोंट्स, अच्छे आकर्षक हेडलाइंस, अधिक फोटो एवम् साज सजावट से परिपूर्ण मैग्जीन दर्शकों को अभी ऊबने का मौका नहीं देती बल्कि उनकी इच्छाओं को और पढ़ने के लिए जगाती है । आउटलुक पत्रिका इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है । आप कहसकते है कि पत्रिका नई एवम् रचनात्मक सोच के साथ प्रकाशित की जाती है ।

प्रकाशन अवधि

इण्डिया टुडे पत्रिका साप्ताहिक छपती है , समाचार पत्र की तुलना में देखा जाए तो पाठक वर्ग को पत्रिकाओं का इंतज़ार पूरे एक सप्ताह करना होता है लेकिन समाचारपत्रों के ऐसा नहीं है समाचारपत्र हर दिन दैनिक के रूप में निकले है ।देश की अन्य ऐसी बहुत सी पत्रिकाएं है जो साप्ताहिक , पाक्षिक , मासिक , त्रैमासिक,छेमाही एवम् वार्षिक भी निकलती है ।

पाठकवर्ग

इण्डिया टुडे पत्रिका के पाठक एवम् बिक्री हिंदुस्तान अख़बार की तुलना में कम है क्यूंकि पत्रिकाओं को पढ़ने एवम् उन्हें खरीदने में ज्यादातर वहीं लोग या छात्र होते है जिन्हें किसी परीक्षा कि तयारी करनी है , जिन्हें लेख , फीचर आदि पढ़ने में ज्यादा रुचि होती है या फिर जोविभिन्न क्षेत्रों की जानकारियां रखनी में रुचि रखता हो ।

भाषा

पत्रिकाओं की भाषाविषयों कोव्यापक ढ़ंग से प्रस्तुत करने की वजह से थोड़ी अनौपचारिक भी को जाती है जो किसमाचारपत्रों में कभी कभी देखनेको मिलती है ।

विषय वस्तु

इण्डिया टुडे या फिर किसी भी मैग्जीन या पत्रिका की अगर बात की जाए तो यह बात देखा जाता है कि पत्रिकाओं में अधिक विषयो पर बात एवम् आलेख छपते है क्यूंकि आउटलुक पूरे एक सप्ताह का ब्योरा ,देश विदेश में क्या घटा, कौनसी घटना बड़ी है सभी चीजों को जांच परख कर प्रकाशित करता है ।

निष्कर्ष

तुलनात्मक अध्ययन करने के पश्चात निष्कर्ष ये है कि समाचार पत्र एवम् पत्रिकाओं में भिन्नता तो बहुत है ,किंतु उद्देश्य दोनों एक है ,आम जनता को सूचित करना एवम् संचार की प्रक्रिया को नया मोड़ देना । समाचार पत्र जहां कमपैसों में ज्यादा सूचनाएं देने में सक्षम है तो वहीं पत्रिकाएं छोटा पैकेट बड़ा धमाका कर जाती है । अर्थात दोनों के अपनी अपनी अलग उपयोगिताएं है ।